पंजाब केसरी 29/03/2026

विकसित भारत-2047 दृष्टि, रणनीतियां एवं चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

अम्बाला, 28 मार्च (बलराम): गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज द्वारा 2 विकसित भारत-2047 दृष्टि, रणनीतियां एवं चुनौतियां विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय बहुविषयक संगोष्ठी का आयोजन हाइब्रिड मोड में सफलतापूर्वक किया गया। इस संगोष्ठी को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नॉर्थ वेस्टर्न रीजनल सैंटर, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा प्रायोजित किया गया।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड के सचिव डा. राजेश गोयल उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के डिप्टी एडवोकेट जनरल सुरेंद्र कुमार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। अतिथि विशेष के रूप में डा. जगदीश चंदर मैहता, एसोसिएट प्रोफैसर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग डी.ए.वी. कॉलेज, चंडीगढ़ भी उपस्थित रहे।

संगोष्ठी का मुख्य वक्तव्य कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग से प्रोफैसर डा. तेजिंदर शर्मा द्वारा

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्ति। (चंद्रमोहन)

प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आर्थिक, सामाजिक एवं तकनीकी आयामों पर विस्तृत प्रकाश डाला।

शैक्षणिक सत्रों की अध्यक्षता डा. महेंद्र सिंह, मनोज कुमार एवं डा. करम सिंह द्वारा की गई, जबकि डा. सुखबीर सिंह एवं डा. परवेश कुमार ने सह-अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस संगोष्ठी में लगभग 120 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत 2047 का सपना तभी साकार हो सकता है जब शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को केंद्र में रखते हुए समावेशी विकास की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। आज के युवाओं, शोधार्थियों और शिक्षाविदों की सक्रिय भागीदारी ही इस लक्ष्य को प्राप्त करने की आधारशिला है। इस प्रकार की संगोष्ठियां न केवल ज्ञान के आदान-प्रदान का सशक्त मंच प्रदान करती हैं, बल्कि नई सोच और नीति-निर्माण के लिए भी प्रेरित करती हैं। हमें मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण की दिशा में कार्य करना होगा जो आत्मनिर्भर, सशक्त और वैश्विक स्तर पर अग्रणी हो।

मंच संचालन का कार्य महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका ओंरितिका, जस्मिता हंडा तथा महक तलवार द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य महाविद्यालय के पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सह-प्राध्यापक डा. कृषण कुमार पुनिया द्वारा प्रस्तुत किया गया।